झोली भरदे रे खाटू का बाबा श्याम
भिखारन तेरे द्वार खड़ी
तेरे जैसो और नही ह जगत बिच में दानी
म्हारे मन पर के बीते थे जानो अंतर्यामी
घर से चाली रे में धर चरणा को ध्यान
भिखारन तेरे द्वार खड़ी

सास ननद म्हारी दयोर् जिठानी बाँझ कह बतलावे
लागे तीर कालजे माहि बोल सह्या न जावे
ताने मारे रे जीवन ना देवे झान
भिखारन तेरे द्वार खड़ी

खड़ी द्वार पर अरज करे थारे चरणा की दासी
थारे घर में कमी नही ह सुन ले खाटू वासी
बाबा देदे रे दुखियाँ ने सन्तान
भिखारन तेरे द्वार खड़ी

मोहन मनसा भरे भक्त की श्याम धनि दातार
सच्चे दिल जो कोई घ्यावे होज्या बेडा पार
भक्त ने दे दे रे यो मन चाहयो वरदान
भिखारन तेरे द्वार खड़ी